पीडियाट्रिक एंडोक्रिनोलॉजी तथ्य चार्ट

'जन्म के समय कम वज़न' के बच्चों में विकास: परिवारों के लिए मार्गदर्शक

'जन्म के समय कम वज़न' की परिभाषा क्या होती है?

गर्भावस्था और लिंग की तुलना में 10वें परसेंटाइल से कम वज़न होना। 10वें परसेंटाइल से कम वज़न होने का अर्थ है, अपनी उम्र और लिंग के 100 में से 90 बच्चों का वज़न उस बच्चे से ज़्यादा है।

विकास चार्ट या ग्रोथ चार्ट क्या होता है?

विकास चार्ट एक निश्चित आयु, लिंग और लम्बाई के बच्चे के औसत विकास को पंक्तियों द्वारा प्रदर्शित करता है। उदाहरण के लिए, यदि किसी लड़के का कद 25वीं परसेंटाइल की रेखा पर है, तो 100 में से लगभग 25 लड़कों का कद उसकी तुलना में कम होगा। अक्सर बच्चों का विकास पूर्णतः इन पंक्तियों के अनुसार नहीं होता। हालांकि ज्यादातर बच्चों की लम्बाई इन पंक्तियों के समांतर होती है। विकास या ग्रोथ चार्ट पर तीसरे या पांचवें परसेंटाइल से कम लम्बाई होने को 'छोटा कद' कहा जाता है। यह विकास चार्ट सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन की वेबसाइट https://www.cdc.gov/growthcharts/data/set1clinical/set1bw/pdf पर मिल सकते हैं।

जन्म के समय कम वज़न होने का भविष्य में क्या परिणाम हो सकता है?

ज्यादातर बच्चे जो जन्म के समय कम वज़न के होते हैं, 2 से 4 साल की उम्र तक विकास चार्ट पर सामान्य रूप से बढ़ने लगते हैं। कम वजन के पैदा हुए बच्चे, यदि 2 से 4 साल की उम्र तक विकास चार्ट पर 2 स्टैंडर्ड डेविएशन (standard deviation) से नीचे रहते हैं, तो उनका अंतिम कद छोटा होने की संभावना रहती है।

शिशुओं की पैदाइश के समय कम वज़न होने के क्या कारण हो सकते हैं?

आमतौर पर शिशुओं की पैदाइश के समय कम वज़न होने के कारण पता नहीं चलते। कई बार इसका कारण गर्भकालीन के समय कम विकास (intrauterine growth restriction, IUGR) या fetal growth restriction) हो सकता है। इसका अर्थ है की माँ के गर्भ में बच्चे का ठीक प्रकार से विकास नहीं हुआ। इसके निम्न कारण हो सकते है:

1. माँ का धूम्रपान करना
2. खराब पोषण
3. प्री-एक्लैम्प्सीया या एक्लैम्प्सीया
4. प्लेसेंटा की समस्याएं
5. एक समय पर जुड़वा या तीन बच्चे होना
6. जन्मजात बीमारी
7. इन्फेक्शन जैसे कि रूबेला, टोक्षोप्लासमोसिस, स्यटोमेगेलोवायरेस, या सिफ़िलिस
8. माँ का शराब या ड्रग्स का इस्तेमाल करना
9. माँ का छोटा कद या कम वज़न

बच्चे के निरीक्षण के लिए क्या जांच की जा सकती है?

सबसे अच्छा "परीक्षण" विकास चार्ट का उपयोग करके समय के साथ बच्चे के विकास की निगरानी करना है। कम से कम 6 महीनों तक विकास की निगरानी करना ज़रूरी है। ज्यादातर बच्चे सामान्य गति से बढ़ते हैं और उन्हें किसी जांच या दवायी की आवश्यता नहीं होती। अगर आपके बच्चे के चकित्सक को बच्चे के विकास में कोई संदेह है, तो रक्त जांच या हाथ का एक्सरे (बोन एज) करवाया जा सकता है। यदि 2 से 4 साल की उम्र तक विकास चार्ट पर लम्बाई 2 स्टैंडर्ड डेविएशन (standard deviation) से नीचे रहे, तो ग्रोथ हॉर्मोन इलाज का इस्तेमाल किया जा सकता है।

यह जानकारी पीडियाट्रिक एंडोक्राइन सोसाइटी के मरीज शिक्षा अनुभाग की सहायता से छपी है।

PES PEDIATRIC ENDOCRINE SOCIETY